ASU NEWS-LETTER

Vol. 1 No. 2

July-August 2016

Allahabad State University,
CPI Campus,
Mahatma Gandhi Road,
Civil Lines,
Allahabad-211001,
U.P., India.

Mobile: +91-9415313714
Ph. (O) 0532-2256206

email:
rprasad55@rediffmail.com
asuallahabad@gmail.com

website:
www.alldstateuniversity.org

राम नाईक
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

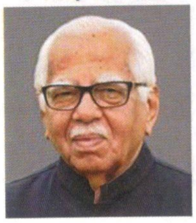

सत्यमेव जयते

राज भवन
लखनऊ - 226 027

09 जून, 2016

सन्देश

मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हुई कि नवस्थापित इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के प्रथम सत्र 2016–17 का शुभारम्भ हो रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के प्रवेश, पठन–पाठन, परीक्षा एवं उच्च शिक्षा से संबंधित अन्य क्रिया–कलापों के त्वरित निस्तारण के लिये 17 जून, 2016 को विश्वविद्यालय की वेबसाइट को भी लांच किया जा रहा है।

देश की युवा पीढ़ी के विकास में उच्च शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। क्योंकि जीवन में प्रगति का माध्यम अच्छी शिक्षा और अच्छे संस्कार होते हैं। मुझे विश्वास है कि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार करते हुए हमारी भावी पीढ़ी को समाज एवं राष्ट्रहित में अच्छा नागरिक बनाने में अपना अप्रतिम योगदान देगा।

मैं इस अवसर पर नवस्थापित इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय को अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(राम नाईक)

दूरभाष : 0522-2620494-95, 2236497-98, 2236992, 2620331, 2620316, 2236093, फैक्स : 0522-2239488
ईमेल : hgovup@nic.in वेबसाइट : www.upgovernor.gov.in

ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्यशेषतः।
यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिष्यते।। (7/2)

- श्रीमद्भगवद्गीता

अखिलेश यादव
मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश

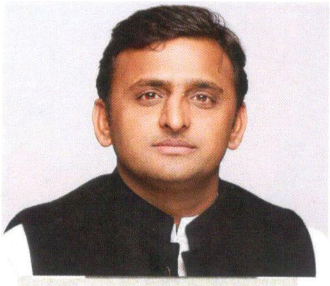

दिनांक : 13 जून, 2016

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि नवस्थापित इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रथम सत्र 2016–17 का शुभारम्भ किया जा रहा है।

इलाहाबाद व आस–पास के जनपदों के छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा सुलभ कराने के लिए वर्तमान प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना की है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना से विशेष रूप से ग्रामीण अंचल और आस–पास के जिलों के युवा लाभान्वित होंगे और उच्च शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात देश व समाज हित में वे अपना अप्रतिम योगदान दे सकेंगे।

गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर स्थित इलाहाबाद की धर्म, दर्शन, शिक्षा, संस्कृति, ज्ञान–विज्ञान आदि क्षेत्रों में एक विशिष्ट पहचान है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह राज्य विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उच्च मापदण्ड स्थापित करते हुए और आने वाले समय में विश्व के शीर्षस्थ शिक्षा संस्थानों में अपना स्थान हासिल करेगा।

यह अत्यन्त सराहनीय है कि अपनी स्थापना के साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के हित में वेबसाइट भी लॉन्च की जा रही है। पठन–पाठन, प्रवेश, परीक्षा आदि के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध होने से संस्थान के छात्र–छात्राएं निश्चित रूप से लाभान्वित होंगे।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के शुभारम्भ व संचालन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(अखिलेश यादव)

जितेन्द्र कुमार
प्रमुख सचिव

अर्द्धशा०प०सं०– 3374/PSM/16
उत्तर प्रदेश शासन
माध्यमिक शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग
कक्ष सं० 64 नवीन भवन
दूरभाष सं० – 0522-2239298 (का०)
2239453 फैक्स

लखनऊ : दिनांक 14-06-2016

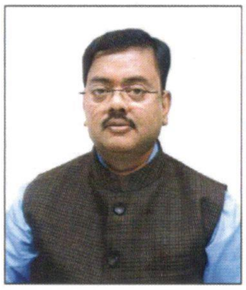

सन्देश

बड़े हर्ष का विषय है कि नवस्थापित इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रथम सत्र 2016–2017 का शुभारम्भ किया जा रहा है। राज्य सरकार ने इलाहाबाद व आस–पास के जनपदों के छात्र/छात्राओं को उच्च शिक्षा सुलभ कराने के लिए इस राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना की है, ताकि ग्रामीण अंचल और आस–पास के जनपदों को इसका लाभ मिल सके और वे उच्च शिक्षित–प्रशिक्षित होकर सर्वगुण सम्पन्न मानव के रूप में समाज के लिए उपयोगी हों।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह राज्य विश्वविद्यालय ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र में विश्व स्तरीय कीर्तिमान स्थापित करेगा। मैं इस नवस्थापित राज्य विश्वविद्यालय के शुभारम्भ व संचालन के सुअवसर पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

भवदीय,

(जितेन्द्र कुमार)

राजन शुक्ला

आई.ए.एस.

आयुक्त
इलाहाबाद मण्डल
इलाहाबाद

अर्द्ध शा. प. सं. 6247/पी.ए.

दिनांक 25.07.2016

संदेश

यह मेरे लिए अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि नवस्थापित इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे कदम बढ़ाते हुए 'ASU NEWS-LETTER' के जुलाई अंक 2016 का प्रकाशन किया जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इसके कलेवर में प्रकाशित शैक्षिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों आदि से इस राज्य विश्वविद्यालय को उत्तरोत्तर प्रगति हेतु अभिनव स्पंदन प्राप्त होगा और आवासीय परिसर तथा सम्बन्धित 469 महाविद्यालयों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को सर्वगुणसम्पन्न और उद्देश्यपूर्ण शिक्षा प्राप्त करने हेतु नई प्रेरणा मिलेगी।

इस अवसर पर मैं विश्वविद्यालय के कुलपति एवं सर्वसम्बन्धित को इस प्रकाशन के माध्यम से 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का सन्देश फैलाने के लिए बधाई देता हूँ और युवा–शक्ति के प्रतीक समस्त विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनायें देता हूँ।

भवदीय

R.

(राजन शुक्ला)

राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ विश्वस्तरीय उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर बल के साथ बढ़ते कदम

उ0प्र0 के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव द्वारा इलाहाबाद में वर्ष 2013 में एक विश्वस्तरीय बहुअनुशासनात्मक राज्य विश्वविद्यालय स्थापित करने की घोषणा की गयी थी। इस घोषणा के अनुपालन में प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इलाहाबाद मण्डल के चार जिलों (इलाहाबाद, कौशाम्बी, फतेहपुर, प्रतापगढ़) में स्थित महाविद्यालयों को सम्बद्ध करते हुए, राज्य विश्वविद्यालय की आवश्यकता की पूर्ति की गयी। यह युवा मुख्यमंत्री की रचनात्मक सोच का ही नतीजा रहा कि उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधित) अधिनियम–2013 की विधिवत अधिसूचना के साथ इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ। तत्क्रम में 21 सितम्बर 2015 को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का विशेष कार्याधिकारी नियुक्त किया गया, जिनके अनवरत प्रयास से राज्य विश्वविद्यालय हेतु भूमि, प्रशासनिक कार्यालय और पाठ्यक्रम सृजन आदि से सम्बन्धित उत्तरोत्तर प्रगति होती चली गयी।

गौरवशाली पल

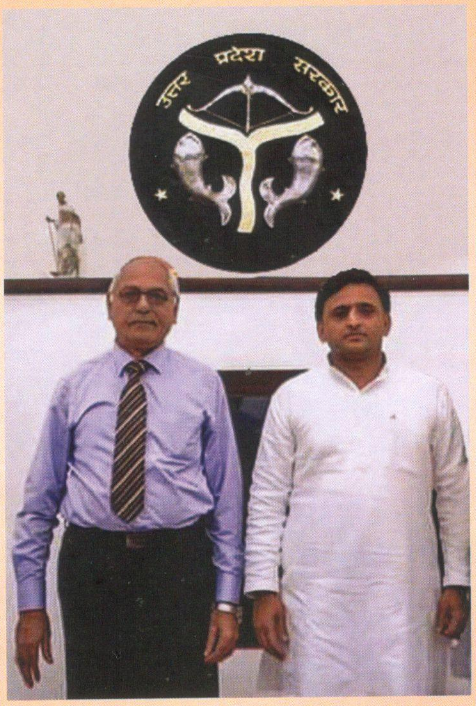

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के साथ कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद

उल्लेखनीय है कि माननीय मुख्यमंत्री जी की सद्प्रेरणा से प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग और विशेष रूप से प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा श्री जितेन्द्र कुमार की पहल और स्थानीय स्तर पर इलाहाबाद के मण्डलायुक्त श्री राजन शुक्ल के सदाशयतापूर्ण सहयोग के फलस्वरूप जून 2016 में सिविल लाइन्स स्थित सेन्ट्रल पैडागोजिकल इन्स्टीट्यूट (सी0पी0आई0) परिसर में लम्बे समय से रिक्त छात्रावास भवन में राज्य विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यालय की विधिवत स्थापना हुई। प्रशासनिक कार्यालय की स्थापना के साथ ही राज्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इस विश्वविद्यालय के अकादमिक क्रियाकलापों को प्रारम्भ करने हेतु प्रोफेसर एस0एस0 कटियार की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति की संस्तुतियों के अनुरूप पाठ्यक्रम और प्रोग्राम को अंगीकार किया गया। इसमें मानविकी, समाज विज्ञान, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन, वाणिज्य एवं प्रबन्धन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कौशल विकास एवं व्यावसायिक अध्ययन, शिक्षा, विधि, कृषि, चिकित्सा, आयुर्वेद आदि विविध क्षेत्रों से सम्बन्धित मानकीकृत एवं विश्वस्तरीय पाठ्यक्रम पठन–पाठन एवं शोध हेतु सम्मिलित हैं।

अभी तक इलाहाबाद, कौशाम्बी एवं फतेहपुर जिलों के समस्त महाविद्यालय छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर तथा प्रतापगढ़ जिले के महाविद्यालय डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद से सम्बद्ध थे। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के क्रियाशील होने से इन क्षेत्रों के महाविद्यालयों की सम्बद्धता इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के अधीन है। शैक्षणिक सत्र 2016–17 में इलाहाबाद, कौशाम्बी, फतेहपुर तथा प्रतापगढ़ जिलों में स्थित समस्त महाविद्यालयों के प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के अधीन शिक्षा ग्रहण करेंगे।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के आवासीय खण्ड के अधीन 12 स्कूल्स एवं 114 केन्द्रों/विभागों के अन्तर्गत शैक्षणिक गतिविधियाँ संचालित की जायेंगी। प्रथम चरण में ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंस और इंटरनेशनल स्टडीज एवं कामर्स एण्ड मैनेजमेंट से संबधित पाठ्यक्रमों को उपलब्ध संसाधनों के आधार पर प्रारम्भ किया गया है। द्वितीय एवं तृतीय चरण में बेसिक एण्ड एप्लायड साइंसेज, इन्वारनमेंटल एण्ड अर्थ साइंसेज, इण्डियन एण्ड फारेन लैग्वेजेज, लीगल स्टडीज, स्किल डेवलेमपेंट एण्ड प्रोफेशनल स्टडीज, इंजिनियरिंग, शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, कृषि एवं आयुर्वेद आदि से संबधित पाठ्यक्रम शुरू किये जायेंगे।

माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा विश्वविद्यालय की वेबसाइट का लोकार्पण

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रयोग के दृष्टिगत इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय को विश्व मानचित्र पर स्थापित करने की आकांक्षा को पूर्णता प्रदान करते हुए उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने दिनांक 16, जून, 2016 को इस राज्य विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.alldstateuniversity.org का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ राजनेता एवं राजसभा सांसद माननीय कुंवर रेवतीरमण सिंह और प्रोफेसर राजेन्द्र प्रसाद उपस्थित थे। इस प्रकार यह राज्य विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के वैश्विक मानचित्र पर अधिष्ठापित हो गया। वर्तमान में आवासीय परिसर के साथ–साथ इलाहाबाद मण्डल के सभी सम्बद्ध महाविद्यालयों और उनसे सम्बन्धित गतिविधियाँ आदि वेबसाइट पर दिग्दर्शित एवं संचालित हो रही हैं।

श्री राज्यपाल, उ0प्र0 ने इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रथम न्यूज़ लेटर का विमोचन किया

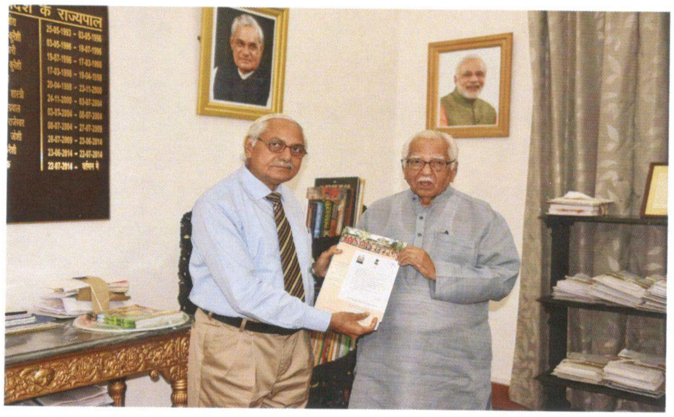

उत्तर प्रदेश के श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री राम नाईक ने राजभवन में दिनांक 29, जून, 2016 को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रथम न्यूज़ लेटर का विमोचन किया। इस अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, सचिव श्री राज्यपाल चन्द्रप्रकाश पाण्डेय सहित राजभवन के अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने न्यूज़ लेटर विमोचन के पश्चात् कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद से विश्वविद्यालय के नये सत्र प्रारम्भ होने एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के संबध में जानकारी ली। राज्यपाल ने कुलपति से शैक्षणिक कैलेण्डर बनाकर समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करने को भी कहा।

उल्लेखनीय है कि संगम नगरी इलाहाबाद में उत्तर प्रदेश के 26वें राज्य विश्वविद्यालय के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधित) अधिनियम, 2013 द्वारा की गयी है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय आवासीय सहित सम्बद्ध विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय की प्रशासनिक गतिविधियाँ वर्तमान में अस्थाई रूप से सी0पी0आई0 कैम्पस इलाहाबाद से संचालित की जा रही हैं। राज्य सरकार द्वारा नैनी क्षेत्र में यू0पी0एस0आई0डी0सी0 की 120 एकड़ भूमि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के पक्ष में आवंटित कर दी गयी है। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय को 3 चरणों में विकसित किया जायेगा। प्रथम चरण हेतु बजट सत्र 2016–17 में प्रशासनिक भवन एवं अन्य निर्माण हेतु आवश्यक धन का प्राविधान भी किया गया है।

विश्वविद्यालय के प्रथम शैक्षणिक सत्र 2016–17 का संचालन शुरू हो गया है तथा इसकी महाविद्यालयीय सम्बद्धता का कार्यक्षेत्र इलाहाबाद मण्डल के 4 जिलों (इलाहाबाद, कौशाम्बी, फतेहपुर तथा प्रतापगढ) तक है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति के पद पर प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद की नियुक्ति एवं प्रथम सत्र (2016–17) का शुभारम्भ

उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी की गयी अधिसूचना के क्रम में दिनांक 17 जून, 2016, दिन शुक्रवार को माननीय मुख्य अतिथि राजसभा सांसद कुँवर रेवतीरमण सिंह, विशिष्ट अतिथि–द्वय श्री वासुदेव यादव एवं मण्डलायुक्त श्री राजन शुक्ल तथा बड़ी संख्या में आगत अतिथियों, गणमान्य बुद्धजीवियों व प्रेस एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया की उपस्थिति में 'इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद' का विधिवत शुभारम्भ हुआ और सब ने मुक्तकंठ से युवा मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के इस योगदान की भूरि–भूरि प्रशंसा की और यह स्वीकार किया कि यह राज्य विश्वविद्यालय प्रदेश की युवा पीढ़ी, विशेष रूप से इलाहाबाद मण्डल और आस–पास के क्षेत्रों से अध्ययन हेतु आने वाले विद्यार्थियों को सर्वगुण–सम्पन्न बनाने हेतु आवश्यक उच्च शिक्षा की सुविधा प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इससे भारत के सर्वांगीण विकास हेतु विश्वस्तरीय ज्ञान–विज्ञान एवं व्यावसायिक शिक्षा–सम्पन्न मानव शक्ति एवं संसाधन उपलब्ध हो सकेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के नवनियुक्त कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने किया।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के शुभारम्भ के अवसर पर आगत अतिथिगण

कुलपति द्वारा महाविद्यालयों का भ्रमण

इलाहाबाद मण्डल स्थित विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों की शैक्षिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों से अवगत होने के लिए कुलपति का भ्रमण जारी है। वे भवन्स मेहता महाविद्यालय, भरवारी, कौशाम्बी तथा साकेत बालिका महाविद्यालय, प्रतापगढ़ एवं प्रयाग महिला विद्यापीठ, इलाहाबाद में गोष्ठियों में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इन महाविद्यालयों के भ्रमण के दौरान कुलपति जी ने शैक्षिक वातावरण साफ–सुथरा बनाये रखने के उद्देश्य से महाविद्यालयों को नियमित पठन–पाठन एवं कक्षायें चलाये जाने के निर्देश दिये, जिससे कि नकल नाम की महामारी से इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के सम्बद्ध महाविद्यालयों को मुक्त रखा जा सके। कुलपति जी ने विशेष रूप से महाविद्यालयों को अपने स्थापना दिवस, राष्ट्रीय पर्वों एवं अन्य महत्वपूर्ण शैक्षिक अवसरों पर नव चेतना का संचार करने के लिए स्थानीय स्तर पर गोष्ठियां, सेमिनार, वाद–विवाद, खेल–कूद एवं अन्य क्रिया–कलापों के माध्यम से पाठ्येतर गतिविधियों द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास किये जाने पर बल दिया गया।

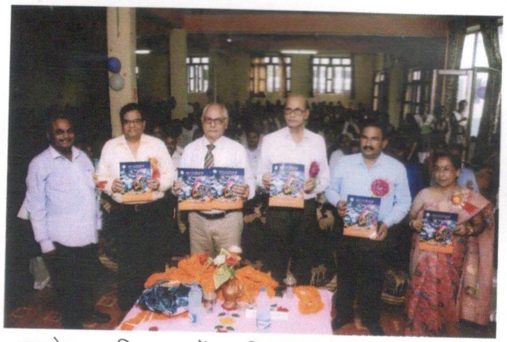

साकेत महाविद्यालय में स्मारिका का विमोचन करते कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, राज्यपाल के विधि परामर्शी श्री एस0एस0 उपाध्याय एवं अन्य

ऑनलाइन प्रवेश आवेदन व परीक्षा की सुविधा

प्रथम सत्र के शुभारम्भ के साथ प्रशासनिक एवं शैक्षिक गतिविधियाँ बढ़ रही हैं और आवासीय एवं सम्बद्ध सभी महाविद्यालयों में स्नातक / स्नातकोत्तर स्तर के विभिन्न विषयों में विद्यार्थियों के प्रवेश हेतु आनलाइन आवेदन करने की सुविधा उपलब्ध करा दी गयी है। आवासीय परिसर में शिक्षण व भौतिक संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर एम.काम. और स्नातकोत्तर स्तर पर प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व, हिन्दी, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र तथा समाज कार्य में से प्रत्येक विषय में 30 सीटों पर प्रवेश परीक्षा / योग्यता प्रदायी परीक्षा की मेरिट के आधार पर प्रवेश हेतु आनलाइन आवेदन की सुविधा दी गयी है। इन नव प्रवेशित विद्यार्थियों के पठन–पाठन के लिए व्यवस्था की जा रही है।

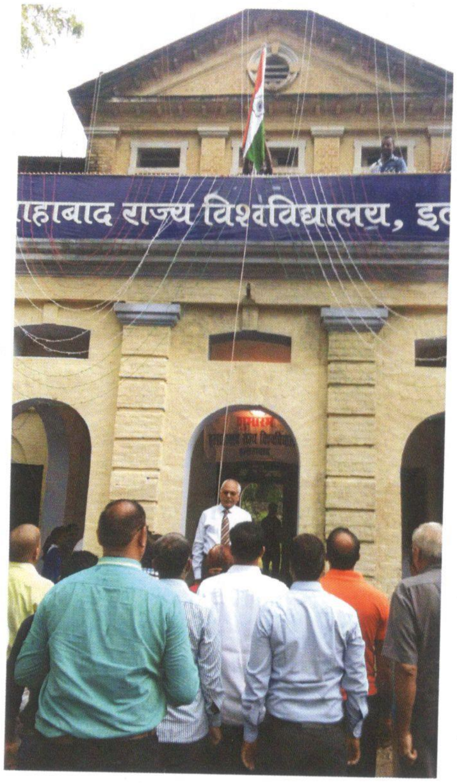

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रशासनिक प्रांगण में कुलपति द्वारा स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त, 2016) के अवसर पर प्रथम झण्डारोहण

प्रोफेसर राजेन्द्र प्रसाद को कुलपति डॉ0 के0एम0 मुन्शी सम्मान प्रदान किया गया

सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्रबन्धकों एवं प्राचार्यों की प्रथम बैठक

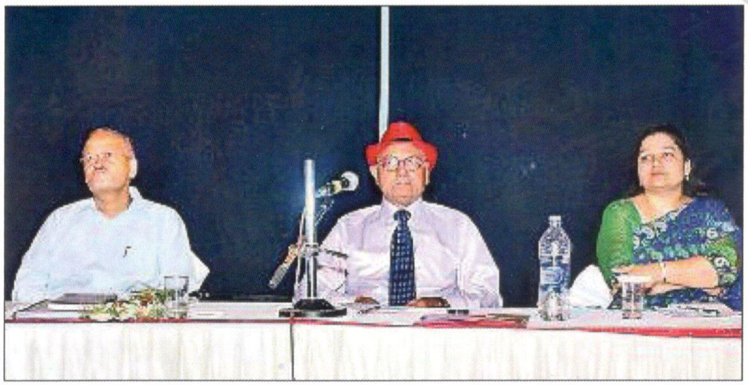

दिनांक 12 जुलाई 2016 को विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों के प्रबन्धकगण एवं प्राचार्यों की बैठक उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, इलाहाबाद के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य इलाहाबाद मण्डल के चारों जिलों में स्थित समस्त महाविद्यालयों के प्रशासन के साथ बेहतर संवाद स्थापित करते हुए नवस्थापित विश्वविद्यालय के शैक्षिक एवं प्रशासनिक विकास में उनका सहयोग प्राप्त करना था। बैठक में उपस्थित समस्त प्रबन्धकगण व प्राचार्यों ने इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना एवं प्रथम बार इस प्रकार की बैठक आहूत किये जाने के लिए कुलपति की भूरि–भूरि प्रशंसा की तथा उनके द्वारा विश्वविद्यालय को दी जा रही सार्थक दिशा में अपना अमूल्य सहयोग दिये जाने के लिए कटिबद्धता प्रकट की। प्रबन्धक एवं प्राचार्यों ने महाविद्यालय के शैक्षिक एवं प्रशासनिक कार्यों सम्बन्धी कुछ समस्यायें बताते हुए अपने सुझाव भी दिये, जिसका निराकरण तत्समय ही कुलपति द्वारा किया गया। कुलपति द्वारा प्रत्येक महाविद्यालय को बेहतर रूप में विकसित किये जाने के उद्देश्य से अपने–अपने परिसरों में सी.सी.टी.वी. कैमरे, बायोमेट्रिक उपस्थिति, एन्टी–रैगिंग स्क्वायड तथा महाविद्यालयों में कार्यरत समस्त शैक्षिक एवं शिक्षणेतर अधिकारियों/कर्मचारियों को महाविद्यालय का पहचान पत्र दिये जाने हेतु निर्देश दिये गये, जिससे महाविद्यालयों में सुव्यवस्था तथा अनुशासनपूर्ण वातावरण का सृजन हो सके। इस दौरान प्रत्येक महाविद्यालय को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रपत्र पर वांछित सूचनायें पूरित कर उपलब्ध कराने के लिए कहा गया, जिससे उसे वेबसाइट पर दिग्दर्शित किया जा सके।

विवि के साथ डिग्री कालेजों में भी उत्कृष्ट शिक्षा

जागरण प्रश्न पहर

इलाहाबाद : उच्च शिक्षा व्यवस्था को उत्कृष्ट बनाने एवं हर वर्ग को शिक्षित करने के उद्देश्य से इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय (एएसयू) की स्थापना की गई है। विश्वविद्यालय गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए प्रवेश से लेकर सारी तैयारियां शुरू कर चुका है। विश्वविद्यालय के साथ इलाहाबाद, प्रतापगढ़, फतेहपुर व कौशांबी में स्थित उससे संबद्ध डिग्री कालेजों में भी बेहतर पठन–पाठन का खाका तैयार हुआ है। यहां बेहतर शिक्षा के लिए कई योजनाएं भी बनाई गई है, जिसका खुलासा राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने किया। उन्होंने गुरुवार को 'दैनिक जागरण' के प्रश्न पहर कार्यक्रम में शिरकत कर पाठकों की अनेक जिज्ञासाओं को शांत किया। उन्होंने बताया कि राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध डिग्री कालेज अभी तक कानपुर और अवध विश्वविद्यालय से संबद्ध थे। इसमें अधिकतर में शैक्षिक माहौल ठीक नहीं है, उसे सुधारना हमारी जिम्मेदारी है। इसके लिए कालेजों की कार्यप्रणाली ऑनलाइन की जा रही है। सभी को शैक्षिक संसाधन पूरे करने साथ ही सीसीटीवी और शिक्षकों और कर्मचारियों की हाजिरी के लिए बायोमेट्रिक मशीन लगाने को कहा है। कालेजों के सभी कार्य पारदर्शी और ऑनलाइन होंगे। मानक पूरे न होने और नकल कराने वाले संस्थानों की मान्यता रद्द की जाएगी। पेश है बातचीत के अंश–

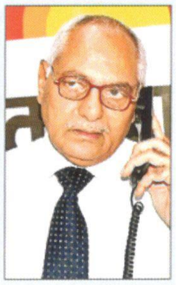

बदलेगा परीक्षा का पैटर्न

कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि परीक्षा का पैटर्न भी बदला जाएगा। अब पैटर्न ऐसा होगा कि छात्र को प्रतियोगी परीक्षाओं में भी मदद मिले। डिग्री कालेजों से लेकर विश्वविद्यालय कैंपस तक पढ़ाई का अच्छा माहौल बनाया जाएगा। उनका प्रयास होगा कि यहां से केवल डिग्री नहीं, देश के काम आने वाला स्कालर निकले।

सवाल : कानपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध अधिकतर महाविद्यालयों में नकल होती है। क्या यह माहौल बदलेगा।

– राजेश श्रीवास्तव, अल्लापुर।

जवाब : डिग्री कालेजों में शैक्षिक माहौल बनाने के लिए प्राचार्यों और प्रबंधकों से बातचीत हो चुकी है। उनको बताया जा चुका है कि पुरानी व्यवस्था अब नहीं चलेगी। कालेजों में शिक्षक तैनात करने होंगे और पढ़ाई करानी होगी। ऐसा न करने पर संबंद्धता रद की जाएगी। सभी का नियमित रिकार्ड चेक और व्यवस्था आनलाइन होगी।

सवाल : विश्वविद्यालय में मिनिस्ट्रियल स्टॉफ की नियुक्ति कब होगी।

–राजेंद्र प्रसाद, कीडगंज।

जवाब : ग्रुप सी और डी पद के लिए आउट सोर्सिंग पर कर्मचारी रखे जाएंगे। फिलहाल अभी भर्ती नहीं हुई। विवि की हर गतिविधि के बारे में वेबसाइट पर सूचना दी जाएगी।

सवाल : हरिश्चंद्र महाविद्यालय शेखूपुर प्रतापगढ़ में अपनी बेटी का एमए में एडमीशन कराया है। इसे मान्यता मिली है कि नहीं। छात्रवृत्ति के बारे में इसकी डिटेल वेबसाइट पर नही दिख रही है।

रघुराज सिंह, तिलई बाजार।

जवाब : किसी कालेज में प्रवेश से पहले संबंद्धता जरूर चेक करें। इस कालेज के बारे में विवि की वेबसाइट देखें। उसमें सभी संबंद्ध कालेजों का नाम है।

सवाल : प्रवेश और नियुक्त में पारदर्शिता कैसे होगी।

– नरेश निषाद, झूंसी

जवाब : विश्वविद्यालय और कालेजों में प्रवेश और नियुक्ति पारदर्शी होगी। चूंकि अधिकतर काम आनलाइन होगा इसलिए कोई गड़बड़ी नहीं कर सकता है। शासन के निर्देशानुसार आरक्षण दिया जाएगा।

सवाल : क्या विश्वविद्यालय से एमबीए कोर्स शुरू हो गया। **– तुषार, नैनी**

जवाब : यह पहला सत्र तो एम काम की शुरुआत की है। अगले सत्र से एमबीए भी शुरू हो जाएगा

सवाल : अवध विवि से मै बीएड कर रहा हूं। अब वहां के कालेज राज्य विवि में आ गए हैं। इस बदलाव से सेशन समय से पूरा होगा या पहले की तरह लेट चलेगा। **– चंचल तिवारी, कीडगंज**

जवाब : पहले जैसा अब नहीं चलेगा। सभी शैक्षिक सत्र समय से चलेंगे और काम में पारदर्शिता आएगी। अब नकल भी नहीं होगी। संबंद्ध कालेजों में शैक्षिक गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाएगा।

सवाल : विश्वविद्यालय का शैक्षिक कैंपस कहां बन रहा है और क्या–क्या कोर्स हैं।

– दिनेश गुप्ता, ट्रांसपोर्ट नगर

जवाब : इसका कैंपस नैनी में मिर्जापुर हाइवे के किनारे सरस्वती हाईटेक सिटी में 120 एकड़ में बनेगा। अभी मेडिकल चौराहे पास सीपीआइ भवन में सिटी आफिस है। विवि में तीन फेज में बनेगा और जेएनयू की तरह यहां पर कोर्स होंगे। यहां से पढ़कर निकलने वाला भीड़ नहीं बढ़ाएगा, बल्कि देश के काम आएगा।

सवाल : संबंद्ध महाविद्यालयों में फीस कितनी निर्धारित की गई है। **–दिनेश लाल, नैनी**

जवाब : शिक्षण शुल्क निर्धारित करने के लिए एक कमेटी बनी है। जल्द ही शुल्क बारे में वेबसाइट पर जानकारी दी जाएगी।

सवाल : बीएससी में ग्रेडिंग सिस्टम रहेगा या कुछ बदलाव होगा। **–अशोक कुमार वर्मा, टैगोरटाउन**

जवाब : ग्रेडिंग सिस्टम रहेगा। अभी कानपुर विवि के पैटर्न पर ही कोर्स होगा। लेकिन परीक्षा का पैटर्न बदला जाएगा। धीरे–धीरे कई बदलाव होंगे। यहां से पढ़ने वाले विद्यार्थियों को ऐसा बनाया जाएगा कि वह बदलते जमाने में रोजगार पा सकें।

सवाल : एलएलबी में प्रवेश चाहता हूं।

अपूर्व बाजपेई, सिराथू

जवाब : अभी विवि कैंपस में एलएलबी की शुरुआत नही हुई है। आप संबंद्ध कालेजों में प्रवेश ले सकते हैं।

सवाल : राज्य विश्वविद्यालय से बीकाम कब शुरू होगा। यहां से कौन–कौन कोर्स संचालित हैं।

– बृजेश श्रीवास्तव, मोहित्समगंज

जवाब : अगले सत्र से बीकाम शुरू हो जाएगा। वहीं सभी कोर्स की सूचना विवि की वेबसाइट पर दी जाएगी। फार्म आनलाइन भरे जाएंगे।

सवाल : बीएससी में प्रवेश चाहता हूं, क्या करुं।

आयुष बाजपेई, खागा

जवाब : फतेहपुर के किसी कालेज से बीएससी कर सकते हैं। वहां के सभी कालेज राज्य विवि के संबंद्ध है।

सवाल : झूंसी में हमारा दलित रिसोर्स रिसर्च सेंटर है। हम आपके संस्थान के साथ जुड़कर कैसे शोध कर सकते हैं।

– बृजेश गौतम, सोहबतियाबाग

जवाब : अभी विवि की शुरुआत हुई है। आने वाले दिनो में तमाम शोध होंगे, तब आप प्रस्ताव देंगे तो विचार किया जाएगा।

सवाल : क्या विवि से संबंद्ध हुए कालेजों में स्नातक द्वितीय या तृतीय वर्ष वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक गतिविधियां यहीं से संचालित होंगे।

चंदू यादव, केला हंडिया

जवाब : नहीं, अभी प्रथम सत्र के विद्यार्थियों की शैक्षिक गतिविधियां यहां से संचालित होंगी।

(साभार–दैनिक जागरण 26 अगस्त, 2016)

राज्य विवि में पहले सत्र में सिर्फ पीजी की होगी पढ़ाई

- एजेंसियों से वार्ता आज, अगले सप्ताह से शुरू होगी प्रवेश प्रक्रिया
- ऑनलाइन करना होगा आवेदन, अगले महीने से कक्षाएं शुरू होने की उम्मीद

इलाहाबाद (ब्यूरो)। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में परास्नातक पाठ्यक्रमों के साथ पढ़ाई शुरू होगी। इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। अगले सप्ताह से दाखिले की प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। आवेदन ऑनलाइन लिया जाएगा। इसके लिए संस्थाओं के साथ सोमवार

पाठ्यक्रमों के लिए अध्यापकों के

संस्थागत एवं भूतपूर्व छात्रों की वार्षिक परीक्षा छह मार्च से

राज्य विश्वविद्यालय का एकेडमिक कैलेंडर जारी

शैक्षिक सत्र 2016-17

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय (एएसयू) ने संबद्ध डिग्री कॉलेजों के लिए शैक्षिक सत्र 2016-17 का एकेडमिक कैलेंडर जारी कर दिया है। इस सत्र की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षाएं एक से 28 फरवरी तक होंगी जबकि

चार तक होंगे पीजी के लिए आवेदन

इलाहाबाद। एएसयू में एमकॉम तथा प्राचीन भारतीय इतिहास, समाज कार्य, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र और हिन्दी विषय से एमए के लिए ऑन लाइन आवेदन 21 जुलाई से लिए जा रहे हैं। राज्य विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑन लाइन आवेदन चार अगस्त तक किए जा सकते हैं। आवेदकों की संख्या अधिक होने पर 13 अगस्त को प्रवेश परीक्षा होगी। संख्या कम होने पर मेरिट के आधार पर प्रवेश होगा। सामान्य और ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए 600 और एससी-एसटी अभ्यर्थियों के लिए 400 रुपये आवेदन शुल्क निर्धारित किया गया है।

शिक्षकों का ब्योरा ऑनलाइन करें कॉलेज

राज्य विवि में शिक्षकों के 92 पदों को मंजूरी

अमर उजाला ब्यूरो

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में पहले चरण में दो संकायों के अंतर्गत 92 अध्यापकों की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए शासन से स्वीकृति मिल गई है। इन पदों के लिए जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है। हालांकि, स्थायी नियुक्ति होने तक वैकल्पिक व्यवस्था के तहत रिटायर और अतिथि प्रवक्ताओं की मदद से पढ़ाई शुरू की जाएगी।

वाणिज्य एवं व्यापार प्रबंधन तथा मानविकी-समाज विज्ञान एवं अंतरराष्ट्रीय ... विभाग ... नियुक्ति ... स्नातक ... में होगी ... 5 जुलाई ... किया जा ... आवेदन

सीटों का विवरण वेबसाइट पर होगा अपलोड

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध कालेजों को विषयवार सीटों का विवरण भी वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। मंगलवार को प्रबंधकों और प्राचार्यों के साथ बैठक में कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने दाखिले की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। प्रक्रिया कानपुर विश्वविद्यालय की नियमावली के अंतर्गत पूरी की जाएगी। कुलपति ने बताया कि कालेजों को इसके लिए कोड आदि उपलब्ध करा दिए जाएंगे। इसके लिए तैयारी कर ली गई है। उन्होंने निर्देश दिया कि कालेजों में अलग-अलग विषयों में कितने सीट इसका डिटेल भी वेबसाइट पर डाला जाए।

प्राचार्यों के साथ मैराथन बैठक की। बैठक में नकल विहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा हुई। वाणिज्य एवं व्यापार प्रबंधन तथा मानविकी-समाज विज्ञान एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विषयों में परास्नातक की पढ़ाई होगी। दाखिले की प्रक्रिया 15 जुलाई से शुरू कर दी जाएगी।

बताया कि 15 जुलाई को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर फार्म अपलोड कर दिया जाएगा। बताया कि इन दोनों संकायों में

मंडल के डिग्री शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जा...

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय (एएसयू) ने मंडल के चारों जिलों के अनुदानित डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों की विषयवार वरिष्ठता सूची जारी की है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड इस सूची की कॉपी रजिस्ट्रार संजय कुमार की ओर से अनुदानित कॉलेजों के प्राचार्य और प्राचार्या को भी भेजी गई है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के गठन के साथ ही इलाहाबाद, प्रतापगढ़, फतेहपुर और कौशाम्बी के समस्त डिग्री कॉलेजों को इस नए विश्वविद्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। इन जिलों के कॉलेज अभी तक छत्रपति साहूजी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय और

राज्य विवि, कॉलेजों में मार्च में होंगी परीक्षाएं

अमर उजाला ब्यूरो

- विवि के सचिव ने जारी किया पहला एकेडमिक कैलेंडर
- 31 अगस्त तक होगा प्रवेश एक मई से 30 जून तक

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विवि प्रशासन का नियमित सत्र और नकल विहीन परीक्षा पर अधिक जोर है।

सुविधा : मंडल के समस्त डिग्री कालेजों के प्राचार्य व प्रबंधकों की बैठक

राज्य विवि में पढ़ाई के साथ होगा बेहतर शोध

...सं, इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में ...न-पाठन से लेकर शोध करने की बेहतर सुविधा ...लेगी। तकनीक व संचार का बेहतर समन्वय स्थापित ...र विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान ...या जाएगा। यह निर्णय मंगलवार को उत्तर मध्य क्षेत्र ...स्कृतिक केंद्र में हुई बैठक में लिया गया। इसमें राज्य ...श्वविद्यालय से संबद्ध इलाहाबाद, कौशांबी, प्रतापगढ़ फतेहपुर में स्थित डिग्री कालेजों के लगभग चार सौ ...चार्य व प्रबंधक शामिल हुए। कुलपति प्रो. राजेंद्र ...साद ने बेहतर पठन-पाठन पर ध्यान देने का सभी को ...र्देश दिया।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय व उससे संबद्ध डिग्री ...लेजों में पढ़ाई एवं शोध का बेहतर माहौल मिले, ...नकी यही मंशा है। इसके तहत जहां संसाधनों की ...मी है, उसे दूर किया जाएगा। कहा कि शोध को ...हतर बनाने के लिए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की ...स्थाओं से करार होगा। इस दौरान कुछ कालेजों के

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में डिग्री कालेजों के प्राचार्य व प्रबंधकों की बैठक को संबोधित करते इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद।

नकल की प्रथा समाप्त करना ही पहली प्राथमिकता : डॉ. राजेंद्र

भवंस मेहता डिग्री कालेज में स्थापना दिवस कार्यक्रम में उपस्थित लोग व बोलते राज्यस्तरीय विश्वविद्यालय के कुलपति डा. राजेंद्र प्रसाद।

- जिले के 59 महाविद्यालय राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय से संबद्ध
- धूमधाम से मना महाविद्यालय का स्थापना दिवस

भरवारी, कौशांबी : भवंस मेहता भरवारी में सोमवार को कुलपति डा. केएम मुंशी सम्मान समारोह एवं महाविद्यालय स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय के कुलपति डा. राजेंद्र प्रसाद ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

कुलपति ने कहा कि इलाहाबाद के चार जनपदों के 462 कालेज जो कानपुर यूनिवर्सिटी से संबद्ध थे अब वह राज्य

लाल मेहता ने वर्ष 1968 में इस विद्यालय का शुभारंभ किया था, जिसका उद्घाटन भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने किया था। उस समय उत्तर प्रदेश में विज्ञान का यह पहला

शिक्षा को व्यवसाय नहीं बनने दें शिक्षक: नाईक

- बृज बिहारी सहाय इंटर कॉलेज में राज्यपाल ने किया शिक्षाविदों का सम्मान
- वित्तविहीन शिक्षक समन्वय समिति की ओर से आयोजित हुआ समारोह

इलाहाबाद। देश एवं प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जिम्मेदारी मात्र सरकारी संस्थाओं की नहीं, अपितु गैर सरकारी संस्थाओं एवं निजी संस्थाओं की भी है। शिक्षा व्यवसाय नहीं बल्कि विद्यादान का काम है। शिक्षक इसको किसी भी हाल में व्यवसाय न बनने दें। शहर के बृज बिहारी सहाय इंटर कॉलेज शिवकुटी में वित्तविहीन शिक्षक समन्वय समिति की ओर से आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में यह बातें राज्यपाल राम नाईक ने कही।

वित्तविहीन शिक्षक समन्वय समिति की ओर से आयोजित समारोह में राज्यपाल ने सम्मानित शिक्षकों से कहा कि वे संगठन को बढ़ाने से पहले शिक्षा को सब तक पहुंचाने का लक्ष्य बनाएं, बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा दें, यही उनकी चुनौती है। उन्होंने बीबीएस इंटर कॉलेज के शिक्षकों को अच्छे रिजल्ट पर दी। इस पर राज्यपाल ने बीबीएस महाविद्यालय कादिलपुर का शुभारंभ भी किया।

समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल राम नाईक का परिचय बीबीएस इंटर कॉलेज के संस्थापक व निदेशक डॉ. ऋषि सहाय ने दिया, उन्होंने राज्यपाल को धन्यवाद देने केसाथ स्मृति चिह्न भेंट किया। इस मौके पर इलाहाबाद राज्य विवि के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद, विद्यालय के संरक्षक डॉ. ब्रजेंद्र बिहारी सहाय, अंजुला सहाय,

महिलाओं के सम्मान के साथ समझौता नहीं: राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं के सम्मान के साथ समझौता नहीं होगा। बसपा नेताओं की ओर से दयाशंकर के परिवार की महिलाओं के लिए अपशब्द कहे जाने के मामले में पूछा गया कि पीड़िता के उनसे मिलने के दो दिन बाद भी न्याय नहीं मिला तो नाईक ने कहा कि इस संबंध में उन्होंने प्रदेश के पुलिस महानिदेशक से बात की है, शीघ्र इस बारे में उचित निर्णय लिया जाएगा।

लक्ष्मण रेखा न लांघें राजनीतिक दल

राज्यपाल ने कहा कि यह विस चुनाव का वर्ष है, ऐसे में राजनीतिक दल के नेताओं

Political parties should not cross Laxman Rekha, says governor

HT Correspondent
allahabad.htdesk@hindustantimes.com

ALLAHABAD: Governor Ram Naik on Thursday advised the political parties not to cross the 'Laxman Rekha' while attacking opponents.

Speaking to the media after addressing a seminar of teachers of non-aided schools here at BBS Inter College, Shivkuti, Naik said using foul language in politics was not good and was also not expected in a decent society.

He said the friction between

Governor Ram Naik addressing the seminar in Allahabad on Thursday.
HT PHOTO

secondary level education was

institution did not pay salary on

राज्य विश्वविद्यालय में शुरू हुआ प्रवेश

जासं, इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की गतिविधियां धीरे-धीरे बढ़ने लगी हैं। इसके तहत प्रवेश के लिए आवेदन लेने का सिलसिला शुक्रवार से शुरू हो गया। अभी कामर्स एंड बिजनेस मैनेजमेंट, मानविकी, विधि, इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चर, मेडिकल, समाज विज्ञान तथा अंतरराष्ट्रीय अध्ययन से जुड़े परास्नातक कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि प्रवेश व पाठ्यक्रम से जुड़ी हर जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रवेश के लिए फार्म वेबसाइट www.alld.stateuniversity.org में अपलोड है। अभ्यर्थी अगस्त माह के अंत तक फार्म ऑनलाइन भर सकते हैं। बताया कि प्रवेश प्रक्रिया पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन फार्म भरवाया जा रहा है। ऑफलाइन आवेदन की सुविधा विश्वविद्यालय ने नहीं दी है।

स्मार्ट क्लास में पढ़ेंगे राज्य विश्वविद्यालय के छात्र

इलाहाबाद : युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय को व्यक्तित्व विकास की शिक्षा दी जाएगी। इसके लिए अतिरिक्त कक्षाएं चलेंगी, जहां उन्हें कंप्यूटर के साथ तकनीक, सामान्य ज्ञान की शिक्षा विशेष रूप से दी जाएगी। यही नहीं राज्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थी स्मार्ट क्लास में पढ़ाई करेंगे। नैनी में 120 एकड़ में बन रहे विश्वविद्यालय के विशाल भवन की हर कक्षा स्मार्ट क्लास पर आधारित होंगी। साथ ही विश्वविद्यालय से संबद्ध डिग्री कालेजों में भी 15 से 25 कक्षाएं स्मार्ट क्लास पर आधारित होंगी। वहीं राज्य विश्वविद्यालय की फीस कानपुर विश्वविद्यालय के आधार पर ली जाएगी। कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि नई फीस तय करने के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक कुमार की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है, वह 15 दिन में अपनी रिपोर्ट देगी, फिर उसी के आधार पर फीस का निर्धारण होगा। फिलहाल अभी हमारे यहां कानपुर विश्वविद्यालय के आधार पर फीस ली जाएगी।

31 अगस्त तक पूरी होगी प्रवेश प्रक्रिया : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने संबद्ध डिग्री कालेजों के शैक्षिक का एकेडमिक कैलेंडर जारी कर दिया है। प्रायोगिक व मौखिक परीक्षाएं एक से 28 फरवरी तक होंगी, जबकि संस्थागत व भूतपूर्व छात्रों की वार्षिक परीक्षा छह मार्च से ली जाएगी। विश्वविद्यालय व उससे संबद्ध इलाहाबाद, कौशांबी, फतेहपुर एवं प्रतापगढ़ के डिग्री कालेजों में परास्नातक में प्रवेश संबंधित सभी कार्रवाई 31 अगस्त तक पूरी कर ली जाएगी। जबकि एक से 30 सितंबर तक सभी कक्षाओं के लिए एनईएफटी, आरटीजीएस के माध्यम से परीक्षा एवं नामांकन शुल्क जमा होंगे।

एमकॉम तथा प्राचीन भारतीय इतिहास, समाज कार्य, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र और हिंदी विषय में एमए के चार अगस्त तक आवेदन लिए जाएंगे। आवेदकों की संख्या अधिक होने पर 13 अगस्त को परीक्षा कराई जाएगी।

शैक्षिक एवं गैर–शैक्षिक पदों का सृजन तथा अधिकारियों की तैनाती

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों के कुशल संचालन हेतु राज्य सरकार द्वारा कुलपति, कुलसचिव एवं वित्त अधिकारी के साथ–साथ अन्य प्रशासनिक एवं गैर–शैक्षिक संवर्ग के 108 पदों का सृजन एवं आवसीय परिसर में शिक्षण कार्य हेतु 92 शैक्षिक पदों का सृजन किया जा चुका है। विश्वविद्यालय अधिनियम के प्राविधानानुसार राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय के शैक्षिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सर्वांगीण गति प्रदान किये जाने के निमित्त दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं सुप्रसिद्ध रक्षा विशेषज्ञ डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद को दिनांक 17 जून, 2016 को प्रथम कुलपति नियुक्त किया गया। कुलपति के सद्प्रयास से विश्वविद्यालय शैक्षिक एवं प्रशासनिक क्रियाकलापों को अपने स्थापना के दिन से ही सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के मार्ग पर तत्परतापूर्वक अग्रसर है। वर्तमान में कुलपति प्रोफेसर प्रसाद का दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर तथा देश–विदेश में किये गये शैक्षिक भ्रमण एवं शोध आदि से प्राप्त शैक्षिक एवं प्रशासकीय अनुभव का पूरा लाभ इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद को प्राप्त होता दिखने लगा है।

इसी क्रम में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विश्वविद्यालय के कुलसचिव के रूप में उ0प्र0 राज्य विश्वविद्यालय केन्द्रीयीत सेवा के अनुभवी प्रशासनिक अधिकारी श्री संजय कुमार को 24 जून, 2016 को तैनात किया गया है। तैनात कुलसचिव को लखनऊ विश्वविद्यालय, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर, वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर तथा डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद का कुलसचिव संवर्ग के विभिन्न पदों पर कार्य करने का वृहद् अनुभव है। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी में पूर्व में तैनात उपकुलसचिव श्रीमती दीप्ति मिश्रा को शासन द्वारा इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का उप कुलसचिव नियुक्त किया गया है।

शैक्षिक कैलेण्डर एवं गतिविधियां

विश्वविद्यालय द्वारा समस्त शैक्षिक क्रिया–कलापों की निरन्तरता एवं ससमय संचालन हेतु शैक्षिक कैलेण्डर निर्धारित किया गया है। शैक्षिक कैलेण्डर में मुख्य रूप से प्रवेश एवं परीक्षाओं सम्बन्धी गतिविधियों को समयबद्ध रूप से क्रियान्वित किये जाने के लिए सम्बद्ध महाविद्यालयों को भी निर्देशित किया जा चुका है।

विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में परास्नातक स्तर के 06 पाठ्यक्रमों को शैक्षिक सत्र 2016–17 से संचालित किये जाने हेतु कुलपति जी के निर्णय के अनुपालन में प्रवेश कार्य प्रक्रियाधीन तथा 31 अगस्त, 2016 तक प्रवेश पूर्ण करते हुए सितम्बर माह के प्रथम सप्ताह से पठन–पाठन प्रारम्भ किये जाने हेतु तैयार की गयी कार्य योजना के प्रति विश्वविद्यालय प्रशासन कटिबद्ध है।

भवन्स मेहता महाविद्यालय में प्राणिविज्ञान प्रयोगशाला निरीक्षण करते कुलपति प्रोफेसर राजेन्द्र प्रसाद

भवन्स मेहता महाविद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण करते कुलपति प्रोफेसर राजेन्द्र प्रसाद

From Vice-Chancellor's Desk

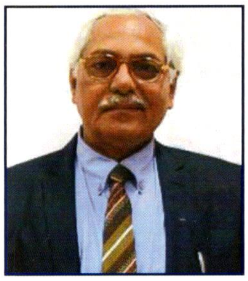

Prof. Rajendra Prasad

As per declaration of the hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh Sri Akhilesh Yadav, I am deeply beholden to place on record that Allahabad State University, Allahabad has been established by the Uttar Pradesh State Universities (Amendment) Act 2013 with the goal of providing higher education to the younger generation and making it a "world-class" multi-disciplinary global institution encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power".

It is now especially noteworthy that, in exercise of the powers under sub-section (1A) of section 4 of the Uttar Pradesh State Universities Act.1973 (President's Act no. 10 of 1973) as amended and re-enacted by U.P.Act no.29 of 1974 the hon' ble Governor is pleased to appoint 17 June 2016 as the date on which Allahabad State University shall be made fully functional under its legal authority and framework. Accordingly, we are going to start its first academic session 2016-2017.

On behalf of the State university and exclusively on my own , I extend a very warm welcome to all authorities, citizens, students and fellow Indian and global intellectuals to join us in our endeavours for making Allahabad State University, Allahabad a world-class multidisciplinary institution of quality higher education and, at the same time, meeting the qualitative and professional needs of the younger generation in the changing social, political and economic milieu, and also facilitating them to reach the zenith to serve the cause of humanity at large.

MISSION STATEMENT

The prime mission of Allahabad State University is to offer integrated approaches towards local, regional, national and global opportunities of higher learning, research and engagement to the diverse sets of students' population. The University intends to offers a full range of degree programmes at the Bachelor's, Master's, Doctoral, Post-Doctoral and Professional levels, coupled with the entire domain and scope of research and other creative activities.

GOALS

Allahabad State University will provide higher education to the younger generation, and intends to emerge as a "world-class" multi-disciplinary global institution encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power". The University will have a student profile comparable with national and global public and private institutions of higher education by creating an environment in which students' success in diverse areas can be ensured to the optimum level. It will also fulfil the skills and professional needs of creating a strong regional and state workforce, while emerging as a primary engine of social, economic, and intellectual development in India and abroad in the Age of Globalisation.

The University will also embark upon the path of realising its endeavors and accomplishments in varying degrees, coupled with the ability of the students and faculty to build a resource base of highest order.

As its primary goal, the Allahabad Sate University is dedicated to becoming a nationally and globally recognized institution in the 21st century along with the shared universal values of humanity at large. Accordingly, it is bound to utilise its material, human and other resources for:

- Imparting higher education to fulfil the diverse needs of students' community, including foreign students.
- Promoting excellence within the entire domain, range and scope of higher education and professional studies.
- Meeting cultural and other challenges to our nation-building and eventually affecting the quality of life in the urban and rural areas through teaching, learning, advanced research and multi-dimensional activities.